पाठ 1. उषा आ रही है

I. मौखिक कौशल

1. इस कविता में उषा काल अर्थात् भोर होने का वर्णन किया गया है।

2. इस कविता के रचयिता कवि त्रिलोचन हैं।

II. लिखित कौशल

1. उषा के आगमन पर अँधेरा दूर हो जाता है और धरती पर सूरज का प्रकाश फैल जाता है। पक्षी गा-गाकर सबको सुबह होने का संदेश देने लगते हैं और समस्त संसार अपने-अपने कामों में लग जाता है।

2. इन पंक्तियों का अर्थ है कि जब सुबह होती है तब लोग अपने अंदर नए जोश का संचार हुआ पाते हैं। उनका मन नई ऊर्जा से भर जाता है। मन निराशा के अंधकार से निकलकर प्रकाश के हर्ष में खो जाता है।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) जगत (ख) सूरज (ग) आगमन

2. (क) (i) (ख) (ii)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

प्रात:काल की बेला हमें संदेश देती है कि हमें निराशा के अंधकार को त्यागकर आशा के प्रकाश की ओर जाना चाहिए। जिस प्रकार प्रत्येक रात के बाद एक नया दिन आता है, उसी प्रकार जीवन की निराशाओं एवं बाधाओं को पार करने के बाद आशा तथा सफलता का नया सवेरा होता है। प्रात:काल की बेला सकारात्मक सोच रखने का संदेश भी देती है।

V. भाषा कौशल

1. (क) स्त्रीलिंग (ख) स्त्रीलिंग (ग) पुल्लिंग (घ) पुल्लिंग
(ङ) पुल्लिंग (च) स्त्रीलिंग

2. (क) (i) (ख) (iii) (ग) (ii) (घ) (iii)

VI. रचनात्मक कोना

1. संसार, दुनिया, रजनी, रात, नयन, दृग, चिड़िया, खग

2. बच्चे स्वयं करें।

पाठ 2. सदाचार का ताबीज़

I. मौखिक कौशल

1. राज्य में इस बात पर हल्ला मचा हुआ था कि सब जगह भ्रष्टाचार फैला हुआ है।
2. वह बहुत बारीक होता है।
3. विशेषज्ञों की टीम में पाँच लोग थे।
4. एक साधु को।
5. इकतीस तारीख को कर्मचारी ने पाँच रुपये का नोट अपनी जेब में रख लिया।

II. लिखित कौशल

1. दरबारी ने राय दी कि भ्रष्टाचार बहुत बारीक होता है, हमें नहीं दिखेगा। अपने राज्य में एक जाति रहती है। जिसे 'विशेषज्ञ' कहते हैं। इस जाति के पास ऐसा अंजन है जिसे आँखों में लगाकर वे बारीक चीज़ भी देख लेते हैं। इन विशेषज्ञों को ही भ्रष्टाचार ढूँढ़ने का कार्य सौंपे।
2. राजा ने विशेषज्ञों को भ्रष्टाचार ढूँढ़ने के काम पर लगाया।
3. विशेषज्ञों ने कहा भ्रष्टाचार मिटाने के लिए व्यवस्था में बहुत परिवर्तन करने होंगे। एक तो भ्रष्टाचार के मौके मिटाने होंगे। इसी तरह और बहुत-सी चीज़ें हैं। किन कारणों से आदमी घूस लेता है, यह भी विचारणीय है।
4. दरबारियों ने कहा महाराज, यह योजना क्या है, एक मुसीबत है! इसके अनुसार कितने ही उलट-फेर करने पड़ेंगे। कितनी परेशानी होगी। सारी व्यवस्था उलट-पलट हो जाएगी। जो चला आ रहा है उसे बदलने में नई-नई कठिनाइयाँ पैदा हो सकती हैं। हमें तो ऐसी तरकीब चाहिए जिससे बिना उलट-फेर किए भ्रष्टाचार मिट जाए।
5. साधु ने बताया कि भ्रष्टाचार और सदाचार मनुष्य की आत्मा में होता है। परमात्मा जब मनुष्य को बनाता है तब किसी की आत्मा में ईमान का पुर्जा फिट कर देता है और किसी की आत्मा में बेईमानी का। इस पुर्जे में से ईमान या बेईमानी के स्वर निकलते हैं जिन्हें 'आत्मा की पुकार' कहते हैं। प्रश्न यह है कि जिनकी आत्मा से बेईमानी के स्वर निकलते हैं, उन्हें दबाकर ईमान के स्वर कैसे निकाले जाएँ।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) सही (ख) गलत (ग) सही (घ) गलत (ङ) सही
2. (क) (i) (ख) (ii) (ग) (i)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

1. इस पाठ से हमें सच्चाई और ईमानदारी की सीख मिलती है।
2. प्रस्तुत पाठ के आधार पर मनुष्य को सच्चाई, ईमानदारी, कर्तव्यपरायणता जैसे जीवन-मूल्यों को अपनाने की जरूरत है।

V. भाषा कौशल

1. **(क)** फैल रहा था **(ख)** ढूँढ़ निकालेंगे **(ग)** मिटा देना चाहता था
   (घ) लगाकर सुना **(ङ)** पैदा हो सकती हैं
2. **(क)** सत् + आचार **(ख)** भ्रष्ट+ आचार **(ग)** सिंह + आसन **(घ)** परम + आत्मा
3. **(क)** वह बहुत धीमे स्वर में बोला।

(ख) हरे-भरे वृक्षों को देखकर आत्मा को शांति मिलती है।

(ग) हमें अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखना चाहिए।

(घ) उसे एक तरकीब सूझी।

(ङ) सूक्ष्म कण दिखाई नहीं देते।

4. (क) (i) (ख) (iii) (ग) (ii)

VI. रचनात्मक कोना

प्रश्न 1, 2, 3 विद्यार्थी स्वयं करें।

4. दैनिक जागरण – हिंदी, लोकमत – मराठी, दिव्य भास्कर – गुजराती, दिनाकरण – तमिल, इनाडू – तेलुगु, इंडियन एक्सप्रेस – अंग्रेज़ी, आनंद बाज़ार पत्रिका – बांग्ला

पाठ 3. सादगी की मूरत

I. मौखिक कौशल

1. लेखिका अपने घर भागलपुर जा रही थीं।
2. राजेंद्र बाबू प्लेटफ़ॉर्म पर एक बेंच पर बैठे हुए थे।
3. राजेंद्र बाबू को पहली बार देखने वाले व्यक्ति को ऐसा अनुभव होता था कि जैसे उन्हें पहले भी कहीं देखा है।
4. स्वतंत्र भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ॰ राजेंद्र प्रसाद जी थे।
5. राजेंद्र बाबू की पत्नी ने लेखिका से सिरकी के बने सूप लाने को कहा था।

II. लिखित कौशल

1. लेखिका को राजेंद्र बाबू का अभिवादन करने का ध्यान तब आया जब उनके भाई ने उन्हें बताया कि बेंच पर बैठे उक्त सज्जन राजेंद्र बाबू हैं।
2. लेखिका ने राजेंद्र बाबू की वेशभूषा की ग्रामीणता का वर्णन करते हुए बताया कि राजेंद्र बाबू ने खादी की मोटी धोती ऐसा फेंटा देकर बाँधी थी कि एक ओर दाहिने पैर पर घुटना छूती थी और दूसरी ओर बाएँ पैर की पिंडली। मोटे, खुरदरे, काले बंद गले के कोट के ऊपर वाला भाग बटन टूट जाने के कारण खुला था और घुटने के नीचे का भाग बटनों से बंद था। सर्दी के कारण पैरों में मोज़े-जूते तो थे पर एक मोज़ा जूते पर उतर आया था तथा दूसरा टखने पर घेरा बना रहा था। गांधी टोपी की नोक बाईं भौंह पर खिसक आई थी। उनकी वेशभूषा को देखकर लगता था कि वे जल्दी में कपड़े पहन आए हैं इसलिए जो जहाँ अटका रह गया था वह वहीं उसी स्थिति में अटका हुआ था।
3. राजेंद्र बाबू की मुखाकृति तथा वेशभूषा के समान ही वे अपने स्वभाव और रहन-सहन से भी सामान्य भारतीय कृषक का ही प्रतिनिधित्व करते थे। प्रतिभा और बुद्धि की विशिष्टता के साथ-साथ उन्हें गंभीर संवेदना भी प्राप्त हुई थी, यही वे विशेष बातें थीं जो उनके सामान्य व्यक्तित्व को गरिमा प्रदान करती थीं।
4. लेखिका को राजेंद्र बाबू के निकट संपर्क में आने का अवसर सन् 1935 में मिला, जब वे कांग्रेस के अध्यक्ष के रूप में इलाहाबाद महिला विद्यापीठ के भवन का शिलान्यास करने प्रयाग आए थे।
5. राजेंद्र बाबू की पत्नी का छात्रावास की सभी बालिकाओं के साथ बहुत अच्छा व्यवहार था। उन्हें सभी का समान रूप से ध्यान रहता था। वे सभी को बुला-बुलाकर उनका तथा उनके परिवार का कुशल-मंगल पूछना न भूलती थीं। इसके साथ ही घर से लाए गए मिष्ठान सभी बालिकाओं एवं वहाँ के नौकर-चाकरों में बाँटे जाते थे।
6. बालिकाओं के संबंध में राजेंद्र बाबू ने लेखिका को निर्देश दिया था कि वे सामान्य बालिकाओं के साथ बहुत सादगी तथा संयम के साथ रहें। गुरुजनों की सेवा, कमरे की साफ़-सफ़ाई आदि भी उनके अध्ययन का आवश्यक अंग हो। वे अपने खादी के कपड़े स्वयं धो लिया करें। अत: वे जैसे रहती आई हैं, उसी प्रकार रहेंगी।
7. राजेंद्र बाबू की पत्नी ने लेखिका को दिल्ली आने का निमंत्रण दिया तथा साथ ही प्रयाग से सिरकी के बने एक दर्ज़न सूप लाने का आग्रह भी कई बार कर दिया क्योंकि फटकने-पछोरने के लिए सिरकी के सूप बहुत अच्छे होते हैं। लेखिका प्रथम श्रेणी के डिब्बे में यात्रा कर रही थीं। उसी डिब्बे में उन्होंने उन सूपों को भी टाँगने की व्यवस्था

की हुई थी। लेखिका के लिए यह दृश्य बड़ा ही विचित्र था पर उससे भी ज़्यादा विचित्र वह दृश्य था जब लेखिका को स्टेशन से लाने के लिए राष्ट्रपति भवन से भेजी गई बड़ी कार के ऊपर वे बारह सूप रखे गए। राष्ट्रपति भवन के हर द्‌वार पर खड़ा सिपाही विस्मय से इस उपहार को देख रहा था क्योंकि इससे पहले इस प्रकार का विचित्र उपहार लेकर न तो कोई अतिथि वहाँ आया था, न ही आएगा। पर राजेंद्र बाबू की सहधर्मिणी ने लेखिका को देखते ही गले से लगा लिया। लेखिका के लिए यह दृश्य बहुत अद्‌भुत था।

8. राजेंद्र बाबू के सामान्य परंतु जीवन-मूल्यों की परख करने वाले विलक्षण व्यक्तित्व से पूर्ण रूप से परिचित होने के बाद लेखिका के मन में अनेक बार प्रश्न उठता – क्या वह साँचा टूट गया जिसमें ऐसे कठिन, कोमल चरित्र ढलते थे?

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) खादी (ख) किसान (ग) अध्यक्ष (घ) अन्न **2.** (क) (i) (ख) (ii)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

1. राजेंद्र बाबू के जीवन से हम 'सादा जीवन उच्च विचार' रखने की प्रेरणा ले सकते हैं।
2. राजेंद्र बाबू की पत्नी भले ही एक ज़मींदार परिवार की वधू और राजेंद्र बाबू जैसे स्वतंत्रता सेनानी तथा भारत के प्रथम राष्ट्रपति की पत्नी थीं परंतु उनके स्वभाव में इस बात का लेशमात्र भी अहंकार नहीं झलकता था। राजेंद्र बाबू की भाँति ही वे भी ज़मीन से जुड़ी हुई महिला थीं। वे सबके प्रति ममतामयी, सरल एवं क्षमामयी हृदय की धनी थीं। राष्ट्रपति भवन में रहने के उपरांत भी वे सामान्य गृहणियों की तरह स्वयं भोजन पकाती थीं। ये सब बातें उनके संतोषी स्वभाव तथा सादा जीवन को प्रकट करती हैं।

V. भाषा कौशल

1. (क) समय पर सोने तथा समय पर जागने का नियम बनाओ।
   (ख) मेघा ने पिकनिक पर जाने की हामी भर दी लेकिन राधा को भी साथ ले जाने की शर्त रख दी।
   (ग) राम अथवा लक्ष्मण में से किसी एक को टीम में चुनना चाहिए।
   (घ) रघु देर से आया था इसलिए उससे मिलना न हो पाया।
   (ङ) प्रतिदिन पाठ याद करो ताकि परीक्षा में मुश्किल न हो।
   (अध्यापक/अध्यापिका बच्चों से वाक्य बनवाएँ।)
2. (क) नगर + इक (ख) भारत + ईय (ग) सीमा + इत (घ) स्वभाव + इक
   (ङ) स्वच्छ + ता (च) प्रतिनिधि + त्व
3. (क) (iii) (ख) (iii) (ग) (i) (घ) (ii)

VI. रचनात्मक कोना

1. (क) बिहार (ख) इलाहाबाद (ग) देशरत्न (घ) दिल्ली
2. 1. राजेंद्र प्रसाद 1950-1962 2. एस. राधाकृष्णन 1962-1967
   3. जाकिर हुसैन 1967-1969 4. वी. वी. गिरी 1969-1974
   5. फकरुद्दीन अली अहमद 1974-1977 6. नीलम संजीव रेड्डी 1977-1982
   7. ज्ञानी जैल सिंह 1982-1987 8. आर. वेंकटरामन 1987-1992
   9. शंकर दयाल शर्मा 1992-1997 10. के. आर. नारायण 1997-2002

11. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम 2002–2007   12. प्रतिभा पाटिल 2007–2012

13. प्रणव मुखर्जी 2012–2017   14. कोविंद 2017–2022

15. द्रौपदी मुर्मू 2022–वर्तमान समय तक

3. बच्चे स्वयं करें।

पाठ 4. एलबम

I. मौखिक कौशल

1. पंडित शादीराम ने लाला सदानंद से रुपये उधार लिए थे।
2. पंडित शादीराम ने पाँच सौ रुपये उधार लिए थे।
3. लाला सदानंद ने पंडित शादीराम की अलमारी में बांग्ला, हिंदी और अंग्रेज़ी की कई सौ मासिक पत्रिकाएँ देखीं।
4. लाला सदानंद ने अपने सिरहाने के नीचे एलबम छिपाकर रखा था।
5. एलबम का वास्तविक खरीदार लाला सदानंद थे।

II. लिखित कौशल

1. पंडित शादीराम ने कई बार एक-एक कर पैसे जमा किए जिससे लाला जी का ऋण उतारा जा सके पर हर बार कोई न कोई ऐसा खर्च निकल आता कि उनका सारा जमा उसी में खर्च हो जाता। इस बार भी जब पंडित जी ने अस्सी रुपये जोड़ लिए तो उनका बेटा बीमार पड़ गया जिसके इलाज में उनका जमा किया पैसा खर्च हो गया। इसलिए पंडित शादीराम लाला जी का ऋण नहीं उतार पा रहे थे।
2. पंडित शादीराम ने पुरानी पत्रिकाओं के बारे में बतलाया कि ये पत्रिकाएँ उनके बड़े भाई की हैं। उन्हें पढ़ने का बहुत शौक था। वे ही ये पत्रिकाएँ मँगवाते थे। जब तक वे जीवित थे किसी को हाथ तक न लगाने देते थे। अब इन्हें कीड़े खा रहे हैं।
3. चित्रों को देखकर लाला जी ने पंडित जी को सलाह दी कि ये चित्रकला के बढ़िया नमूने हैं। अगर किसी शौकीन को पसंद आ जाएँ तो हज़ार दो हज़ार रुपये बड़ी आसानी से कमा सकते हो।
4. लाला सदानंद के कहने पर पंडित शादीराम ने उन पुरानी पत्रिकाओं में से अच्छे-अच्छे चित्रों को छाँटकर अलग कर लिया।
5. कोलकाता के मारवाड़ी सेठ ने पत्र में लिखा था कि एलबम उसे भेज दें। अगर पसंद आ गया तो खरीद लिया जाएगा।
6. लाला सदानंद बीमार थे। वे चारपाई पर लेटे थे। पंडित शादीराम पास ही चौकी पर बैठे उन्हें भगवद्गीता सुना रहे थे। अचानक लाला जी बेसुध हो गए। पंडित जी तुरंत गीता का पाठ छोड़ लाला जी के सिरहाने जा बैठे और उनका उपचार करने लगे। उसी समय पंडित जी को लाला जी के सिरहाने के नीचे किसी सख्त चीज़ के होने का आभास हुआ। पंडित जी ने सिरहाने के नीचे हाथ डालकर देखा तो पाया कि वहाँ वही एलबम रखा था, जो मारवाड़ी सेठ ने खरीदा था। पंडित शादीराम सारी बात समझ गए। तभी लाला सदानंद को होश आ गया। पंडित जी के हाथ में उन्होंने वह एलबम देखा तो तुरंत उनके हाथ से उसे छीनते हुए बोले कि यह एलबम अब उन्होंने उस सेठ से खरीद लिया है। पर पंडित जी तो पहले ही सारी बात समझ चुके थे कि एलबम का असली खरीदार लाला जी हैं। यह सब देखकर उनके मन में लाला जी के लिए सम्मान और भी बढ़ गया।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (ग) (क) (ङ) (घ) (च) (ख) **2.** (क) (ii) (ख) (i) (ग) (iii)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

1. लाला सदानंद के चरित्र से दूसरों की सहायता करना, उनकी परिस्थितियों को समझते हुए उनके साथ सहानुभूति एवं अपनेपन का व्यवहार करने की प्रेरणा मिलती है।
2. इस पाठ में एक-दूसरे की सहायता करना, आपसी प्रेम, सेवा-भाव, सज्जनता एवं दया आदि मानवीय गुणों का वर्णन किया गया है।

V. भाषा कौशल

1. (क) मूल शब्द – जीव, प्रत्यय – इत (ख) उपसर्ग – वि, मूल शब्द – वश
(ग) उपसर्ग – वि, मूल शब्द – ज्ञापन (घ) मूल शब्द – मास, प्रत्यय – इक
(ङ) उपसर्ग – बे, मूल शब्द – सुध (च) मूल शब्द – आसान, प्रत्यय – ई

2. (क) बहुवचन (ख) बहुवचन (ग) एकवचन (घ) एकवचन
(ङ) बहुवचन (च) बहुवचन

3. (क) सुदामा कृष्ण के उपकार का ऋण कभी न चुका पाए।
(ख) गृहशोभा एक मासिक पत्रिका है।
(ग) रवि की शहर छोड़ने की विवशता कोई न समझ पाया।
(घ) हमें अपने भाग्य पर नहीं कर्म पर भरोसा करना चाहिए।
(ङ) असफलता से निराशा आती है पर हमें प्रयास करते रहना चाहिए।

4. (क) (i) (ख) (iii) (ग) (ii)

VI. रचनात्मक कोना

1. (क) हिंदी (ख) मराठी (ग) बांग्ला (घ) अंग्रेज़ी (ङ) तेलुगु

2. तथा **3.** बच्चे स्वयं करें।

पाठ 5. चंद्रशेखर वेंकट रामन

I. मौखिक कौशल

1. वेंकट रामन को सन् 1930 में नोबेल पुरस्कार मिला था।
2. वेंकट रामन का जन्म तमिलनाडु राज्य में हुआ था।
3. वेंकट रामन की माता का नाम पार्वती अम्माल तथा पिता जी का नाम चंद्रशेखर अय्यर था।
4. जब वेंकट रामन के पिता की मृत्यु हुई तब वे बर्मा (म्याँमार) में कार्यरत थे।
5. वेंकट रामन ने पहली विदेश यात्रा सन् 1917 में की थी।
6. वेंकट रामन ने 'रामन शोध संस्थान' की स्थापना की थी।

II. लिखित कौशल

1. चंद्रशेखर वेंकट रामन का जन्म तमिलनाडु राज्य के तिरुचिरापल्ली शहर के समीप एक गाँव में 7 नवंबर 1888 को हुआ था।
2. एम॰ए॰ की पढ़ाई वेंकट रामन ने प्रेसीडेंसी कॉलेज से की थी।
3. वेंकट रामन के भाई 'भारतीय लेखा सेवा' विभाग में काम करते थे।
4. कलकत्ता में वेंकट रामन दिन भर दफ़्तर में और सुबह-शाम प्रयोगशाला में काम करते रहते थे। यही वेंकट रामन की दिनचर्या हो गई थी।
5. लंदन जाने के लिए वेंकट रामन समुद्री जहाज़ पर सवार हुए। यह उनकी पहली विदेश यात्रा थी। इस यात्रा में उनके जीवन की एक महत्वपूर्ण घटना घटी। उन्होंने भूमध्य सागर के गहरे नीले पानी को देखा। इस नीले पानी को देखकर उनके मन में एक प्रश्न उभरा कि क्या यह नीला रंग पानी का है या नीले आकाश की परछाईं के कारण समुद्र नीला दिखता है। बाद में रामन ने अपने शोधों के माध्यम से यह निष्कर्ष निकाला कि यह नीला रंग न पानी का है, न ही आकाश का। यह नीला रंग तो पानी तथा हवा के कणों द्वारा प्रकाश के प्रकीर्णन से उत्पन्न होता है।
6. सूर्य के प्रकाश के बारे में वेंकट रामन ने समझाया था कि सूर्य का प्रकाश जिन सात रंगों–बैंगनी, नीला, आसमानी, हरा, पीला, नारंगी और लाल से बना है, उनमें से नीले रंग को छोड़कर बाकी सभी रंग प्रकीर्णन के कारण अवशोषित होकर ऊर्जा में परिवर्तित हो जाते हैं परंतु नीला प्रकाश वापस परावर्तित हो जाता है।
7. वेंकट रामन को 'नोबेल पुरस्कार', 'भारत रत्न', 'लेनिन शांति पुरस्कार' आदि के साथ देश-विदेश में अनेक सम्मान मिले।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) वेंकट रामन का जन्म (ख) वेंकट रामन का विवाह
   (ग) महालेखापाल पद पर पदोन्नति (घ) पहली विदेश यात्रा
   (ङ) रामन प्रभाव की खोज (च) वेंकट रामन की मृत्यु
2. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (ii)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

1. इससे पता चलता है कि उनका व्यक्तित्व सादगी भरा था। उनके अंदर धन एवं पद का घमंड नहीं था।
2. वेंकट रामन की पत्नी त्रिलोकसुंदरी एक सरल और समझदार महिला थीं। उन्होंने वेंकट रामन का विज्ञान के प्रति समर्पण देखा तो उनकी भरपूर मदद की। वे एक कुशल गृहिणी भी थीं।

V. भाषा कौशल

1. (क) उपलब्धियाँ (ख) परीक्षाएँ (ग) उपाधियाँ (घ) महिलाएँ
2. (क) पुल्लिग (ख) पुल्लिग (ग) स्त्रीलिंग (घ) स्त्रीलिंग
   (ङ) स्त्रीलिंग (च) पुल्लिग
3. (ख) सार्वनामिक विशेषण (ग) क्रिया (घ) विशेषण
   (ङ) संज्ञा (च) सर्वनाम (छ) क्रियाविशेषण
4. (क) (i) (ख) (ii) (ग) (i) (घ) (iii)

VI. रचनात्मक कोना

बच्चे स्वयं करें। (अध्यापक/अध्यापिका बच्चों की आवश्यक सहायता करें।)

पाठ 7. वीर

I. मौखिक कौशल

1. विपत्ति कायर को दहलाती है।
2. वीर पुरुष विघ्नों को गले लगाते हैं।
3. मेंहदी में लाल रंग छिपा होता है।

II. लिखित कौशल

1. विपत्ति आने पर वीर पुरुष साहस और धैर्य से उसका सामना करते हैं।
2. मनुष्य जब दृढ़-निश्चय कर ले तो वह कुछ भी कर सकता है। यदि मनुष्य चाहे तो अपनी दृढ़ता के बल पर पत्थर को चीरकर उसमें से पानी निकाल सकता है। दृढ़ इच्छाशक्ति रखने वाले मनुष्य के सामने बड़े से बड़े पर्वत भी हिल जाते हैं। वह मुश्किल काम भी आसानी से कर सकता है।
3. इन पंक्तियों का भावार्थ यही है कि मानव सभी गुणों से परिपूर्ण है पर जब तक वह मेहनत नहीं करेगा तब तक उसे सफलता प्राप्त नहीं हो सकती। जिस प्रकार अँधेरे को दूर करने के लिए जब तक दीये की बाती जलाई नहीं जाती तब तक प्रकाश प्राप्त नहीं होता। अतः हमें अपने अंदर छिपे गुणों को जानना होगा।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) मूल, विपत्ति (ख) मानव, पानी 2. (क) (ii) (ख) (i)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

इस कविता से संदेश मिलता है कि हमें कठिन परिस्थितियों का दृढ़ता के साथ सामना करना चाहिए। दृढ़-निश्चयी और धैर्यवान पुरुष ही सच्चा वीर कहलाता है। इनसान के अंदर एक से बढ़कर एक गुण छिपे हुए हैं। अगर हम सकारात्मक सोच के साथ काम करते हैं तो सफलता अवश्य मिलती है।

V. भाषा कौशल

1. (क) व् + इ + च् + अ + ल् + इ + त् + अ
   (ख) व् + इ + घ् + न् + अ
   (ग) व् + इ + प् + अ + त् + त् + इ
   (घ) व् + अ + र् + त् + इ + क् + आ
2. (क) मनु (ख) प्रस्तर (ग) नीड़ (घ) बटोही
3. (क) (iii) (ख) (iii) (ग) (i)

VI. रचनात्मक कोना

बच्चे स्वयं करें। (अध्यापक/अध्यापिका आवश्यक सहायता करें।)

पाठ 8. बूढ़ी काकी

I. मौखिक कौशल

1. काकी के परिवार में उनका भतीजा बुद्धिराम, उसकी पत्नी रूपा तथा उनके तीन बच्चे थे।
2. काकी ने अपनी सारी संपत्ति अपने भतीजे बुद्धिराम के नाम कर दी थी।
3. लाडली बुद्धिराम की बेटी थी।
4. रूपा बुद्धिराम की पत्नी थी।
5. लाडली ने अपने हिस्से की पूड़ियाँ गुड़ियों की पिटारी में रखी थीं।
6. काकी ने लाडली से वहाँ ले चलने को कहा जहाँ मेहमानों ने बैठकर भोजन किया था।

II. लिखित कौशल

1. काकी अपने कष्टों की ओर आकर्षित करने के लिए गला फाड़-फाड़कर रोती थीं।
2. पंडित बुद्धिराम के बड़े बेटे मुखराम का तिलक आया था, इसलिए उसके द्वार पर शहनाई बज रही थी।
3. पूड़ियों की सुगंध से बेचैन होकर काकी हाथों के बल सरकती हुई बड़ी कठिनाई से चौखट से उतरीं और धीरे-धीरे रेंगती हुई कड़ाह के पास जा बैठीं।
4. काकी को कड़ाह के पास देखकर रूपा जल-भुन गई। वह अपना क्रोध रोक न सकी। वह काकी पर झपटी और उन्हें दोनों हाथों से झटककर बोली, "कोठरी में बैठते हुए क्या दम घुटता था? अभी भगवान को भोग नहीं लगा, मेहमानों ने नहीं खाया, तब तक धैर्य न हो सका? गाँव देखेगा तो कहेगा कि बुढ़िया भरपेट खाने को नहीं पाती तभी तो इस तरह मुँह बाये फिरती है।" रूपा के ऐसे कटु वचन सुनकर काकी रेंगते हुए वापस कोठरी में चली गईं।
5. काकी जब आँगन में आईं तो वहाँ बैठे कई आदमी उठ खड़े हुए। वे कहने लगे, "अरे, यह बुढ़िया कौन है? यहाँ कहाँ से आ गई?" पंडित बुद्धिराम काकी को वहाँ देखते ही क्रोध से तिलमिला गए। लपककर उन्होंने काकी के दोनों हाथ पकड़े और घसीटते हुए लाकर उन्हें कोठरी में धम्म से पटक दिया।
6. लाडली ने अपने हिस्से की पूड़ियाँ बिलकुल न खाई थीं। उसने पूड़ियाँ गुड़िया की पिटारी में बंद कर रखी थीं। जब लाडली को विश्वास हो गया कि अम्माँ सो रही हैं, तो वह चुपके से उठी और पिटारी उठाकर काकी की कोठरी की ओर चली। कोठरी में काकी लेटी हुई थीं। लाडली ने काकी को आवाज़ लगाई। काकी चटपट उठ बैठीं, दोनों हाथों से लाडली को टटोला और उसे गोद में बिठा लिया। लाडली ने पूड़ियाँ निकालकर काकी को दीं। काकी पूड़ियों पर टूट पड़ीं। पाँच मिनट में पिटारी खाली हो गई।
7. बूढ़ी काकी जूठे पत्तलों पर से पूड़ियों के टुकड़े उठा-उठाकर खा रही थीं। इस दृश्य ने रूपा को द्रवित कर दिया।
8. (क) बुढ़ापे में इनसान का मन फिर से बच्चा बन जाना चाहता है। इनसान का व्यवहार बच्चों जैसा हो जाता है।

   (ख) काकी के मन में उठ रही इच्छाओं ने काकी के मन को अधीर कर दिया। इच्छाओं के इस उतावलेपन ने उन्हें सही-गलत का भेद भी भुला दिया। अतः मनुष्य को अपनी इच्छाओं को नियंत्रण में रखना चाहिए।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (ग) (क) (ख) (घ) (च) (ङ) **2.** (क) (i) (ख) (ii) (ग) (iii)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

1. इससे पता चलता है कि लाडली काकी से बहुत प्रेम करती थी। लाडली समझदार एवं संयमी थी। वह काकी के स्वभाव और भावनाओं को भलीभाँति समझती थी।
2. हमें अपने बड़े-बुज़ुर्गों के प्रति आदर-सम्मान का व्यवहार रखना चाहिए। उनकी देखभाल करनी चाहिए तथा उनकी आवश्यकताओं का ध्यान रखना चाहिए।

V. भाषा कौशल

1. (क) बड़े – गुणवाचक (ख) सुगंध – गुणवाचक (ग) कई – संख्यावाचक
(घ) भोली – गुणवाचक (ङ) स्वादिष्ट – गुणवाचक (च) पाँच – संख्यावाचक
2. (क) सु + गंध (ख) वि + नष्ट (ग) सम् + पूर्ण (घ) नि + मग्न
(ङ) दुर् + गति (च) दुर् + भाग्य
3. (क) मिश्र + इत, चर्चित (ख) निर्दय + ता, दयालुता (ग) वर्ष + इक, श्रमिक
(घ) कठिन + आई, पढ़ाई
4. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (i) (घ) (ii)

VI. रचनात्मक कोना

1. शहनाई, पकवान, आसमान, भरपेट, चटपट, बुद्धिराम
2. तथा
3. बच्चे स्वयं करें।

पाठ 9. दारा सिंह की कलम से

I. मौखिक कौशल

1. लेखक रोज़गार की तलाश में सिंगापुर गए थे।
2. पहले ज़माने में पहलवानों के खाने-पीने की व्यवस्था राजा-महाराजा करते थे।
3. लेखक के अनुसार, प्रत्येक व्यक्ति की खुराक उतनी होनी चाहिए जितनी वह पचा सके।
4. लेखक ने माँ के दूध के बारे में कहा है कि माँ के दूध जैसी कोई खुराक नहीं है।

II. लिखित कौशल

1. बचपन में लेखक की माता जी लेखक के खान-पान का विशेष रूप से ध्यान रखती थीं। वे बादाम की गिरियों को खाँड और मक्खन में मिलाकर लेखक को खिलाती थीं, ऊपर से भैंस का ताज़ा दूध अलग से पिलाती थीं।
2. लेखक ने सिंगापुर में देखा कि वहाँ 'फ्री-स्टाइल' कुश्ती खूब खेली जाती है।
3. बहुत सारे बच्चे पहलवानी करने का विचार यह सोचकर छोड़ देते हैं कि वे इतनी खुराक कैसे खाएँगे या कहाँ से खाएँगे।
4. रसद के पैसे अधिक मिलें, इसके लिए कुछ पहलवान महाराजा से झूठ बोल देते थे क्योंकि राजा-महाराजा ही पहलवानों के लिए रसद पहुँचाते थे।
5. लेखक ने कहा है कि मनुष्य के स्वभाव पर उसका खान-पान भी कुछ सीमा तक प्रभाव डालता है इसीलिए, यह आवश्यक है कि मनुष्य अपने स्वभाव के अनुसार खान-पान की आदतों में बदलाव लाए। कुछ चीज़ें ऐसी होती हैं जो शरीर में न तो अधिक गर्मी पैदा करती हैं और न ही अधिक ठंडक। ऐसी चीज़ों का सेवन हर प्रकार का व्यक्ति कर सकता है।
6. सेहत की नींव की मज़बूती के बारे में लेखक ने कहा है कि स्वास्थ्यरूपी मकान की नींव की मज़बूती के लिए माँ के दूध जैसी कोई खुराक नहीं। अगर नींव मज़बूत है तो मकान भी मज़बूत होगा।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) गलत (ख) सही (ग) सही (घ) गलत (ङ) सही
2. (क) (i) (ख) (ii) (ग) (ii)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

1. रसद के पैसे ज़्यादा लेने के लिए पहलवानों द्वारा झूठ बोलना अनुचित था। यह भ्रष्टाचार को बढ़ावा देता है। इसी कारण से गरीब नौजवान पहलवानों की खुराक के बारे में पढ़कर पहलवानी का विचार छोड़ देते हैं जो कि गलत है।
2. इस वाक्य से पता चलता है कि लेखक ने गरीब लोगों के जीवन को करीब से देखा है और उन्हें गरीब नौजवानों की चिंता है कि कहीं वे पैसे के अभाव में पहलवानी न छोड़ दें। साथ ही, वे चाहते हैं कि पहलवानी के क्षेत्र में ज़्यादा से ज़्यादा नौजवान अपनी रुचि दिखाएँ।

V. भाषा कौशल

1. (क) ताज़गी (ख) कड़वाहट (ग) ठंडक/ठंडाई (घ) फ़ुर्ती (ङ) खटास
   (च) ढीलापन
2. (क) राधा का ध्यान भटका नहीं कि बिल्ली सारा दूध पी गई।
   (ख) कुश्ती के क्षेत्र में सुशील कुमार ने भारत का नाम रोशन कर दिया।
   (ग) प्रधानाचार्य ने विजेता टीम को ही नहीं, पराजित टीम को भी प्रोत्साहन दिया।

(घ) जब से अमित ने अपनी खुराक बढ़ाई है, तब से उसका वजन बढ़ गया है।

(ङ) मंत्री जी ने स्कूल की नींव की पहली ईंट रखी।

(च) बुढ़ापा आने पर शरीर कमज़ोर होता जाता है।

3. (क) (i) (ख) (iii) (ग) (ii)

VI. रचनात्मक कोना

बच्चे स्वयं करें।

पाठ 10. जैसे को तैसा

I. मौखिक कौशल

1. बूढ़ा चौधरी लकड़ियाँ बेचने शहर गया था।
2. सेठ का नाम जतनसिंह था।
3. चौधरी ने सेठ की चालाकी के बारे में अपने बेटे सोमपाल को बताया।
4. चौधरी के बेटे का नाम सोमपाल था।
5. चौधरी के बेटे ने कमर में हँसिया छिपा रखा था।
6. चौधरी के बेटे ने सेठ को सात बार नाक रगड़ने के लिए कहा।

II. लिखित कौशल

1. सेठ ने चौधरी से पूछा, "बाबा, गाड़ी का क्या लेगा?"
2. चौधरी जब अपने बैलों को गाड़ी में जोतने लगा तब सेठ ने उसको गाड़ी और बैलों को हाथ लगाने को मना कर दिया। सेठ ने चौधरी से कहा कि मैंने गाड़ी और बैलों की पूरी कीमत चुकाई है। अब ये मेरे हैं। चौधरी सकपका गया।
3. चौधरी ने अपने बेटे सोमपाल को ब्योरेवार पूरी बात बताई। कहा, "मेरे साथ तो ऐसा हुआ। सेठ के आगे खूब रोया, गिड़गिड़ाया, पाँव में पगड़ी रखी पर उसने तो एक ही बात पकड़ ली कि आदमी की ज़बान एक होती है। अगर आदमी यों ज़बान बदलने लगा तो दुनिया कैसे चलेगी? मुझे तो बोलने ही नहीं दिया।"
4. सोमपाल ने अपने पिता से कहा, "बाबा, चिंता न करो, मैं उस सेठ से निपट लूँगा। कल मुझे दूसरी गाड़ी में लकड़ियाँ ले जाने दो। सेठ की ज़बान से ही उसे बाँधूँगा। उसी का तराज़ू, उसी के बाट और उसी के भाव से उसका हिसाब चुकता करूँगा।"
5. सोमपाल ने शहर के उसी चौक में गाड़ी खड़ी की जहाँ पर जतनसिंह उसके पिता को मिला था।
6. सोमपाल ने सेठ से गाड़ी की कीमत के बारे में कहा, "सेठ जी, मोल-भाव में क्या रखा है! सामने आदमी देखा जाता है। एक ही बात बता दूँ कि इस गाड़ी के दो मुट्ठी टके लूँगा। बोलो, सौदा मंजूर है!"
7. सोमपाल ने गाड़ी का दाम दो मुट्ठी टके बताया। सेठ टके देने के लिए मुट्ठी खोल ही रहा था कि सोमपाल ने झट उसका हाथ पकड़ लिया। सोमपाल ने पैना हँसिया निकाला और सेठ से बोला, "सेठ जी, मुट्ठी खोलो मत, यह तो अब साथ ही जाएगी।" सेठ चौधरी के सामने गिड़गिड़ाया। सेठ ने अपनी पगड़ी सोमपाल के पाँवों में रखी और सात बार नाक भी रगड़ी। सोमपाल ने सेठ से पाँच सौ रुपये और अपने पिता के गाड़ी-बैल भी वापस ले लिए। इस प्रकार सोमपाल ने सेठ से बदला लिया।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) गलत (ख) सही (ग) सही (घ) गलत (ङ) गलत (च) सही
2. (क) (iii) (ख) (i) (ग) (ii)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

1. चौधरी का बेटा समझदार, साहसी तथा चतुर था।

2. इस कहानी में यह संदेश निहित है कि हमें दूसरों का बुरा नहीं करना चाहिए। जो गड्ढा हम दूसरों को गिराने के लिए खोदते हैं, कभी-कभी उसमें स्वयं भी गिर जाते हैं।

V. भाषा कौशल

1. (क) संयुक्त क्रिया (ख) सहायक क्रिया (ग) मुख्य क्रिया (घ) संयुक्त क्रिया (ङ) सहायक क्रिया (च) मुख्य क्रिया (छ) संयुक्त क्रिया (ज) मुख्य क्रिया

2. (क) चतुराई (ख) बुढ़ापा (ग) गरीबी (घ) रुलाई (ङ) सफलता (च) खराबी (छ) कीमत (ज) होशियारी

3. (क) (iii) (ख) (i) (ग) (ii)

VI. रचनात्मक कोना

1. भोपाल, लखनऊ, श्रीनगर, देहरादून, जयपुर, चेन्नई, कोलकाता, रायपुर, चंडीगढ़, मुंबई

2. तथा **3.** बच्चे स्वयं करें।

पाठ 11. मांडले जेल से

I. मौखिक कौशल

1. सुभाषचंद्र बोस ने यह पत्र मराठी समाचारपत्र 'केसरी' के तत्कालीन संपादक श्री नरसिंह चिंतामण केलकर को लिखा था।
2. पत्र में लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक के बारे में वर्णन किया गया है।
3. लोकमान्य तिलक छह वर्षों तक मांडले जेल में रहे थे।
4. लोकमान्य तिलक मधुमेह से पीड़ित थे।

II. लिखित कौशल

1. सुभाषचंद्र बोस ने 20 अगस्त सन् 1925 को श्री केलकर को पत्र लिखा था।
2. मांडले जेल में भेजे जाने के पहले सुभाषचंद्र बोस को यह जानकारी नहीं थी कि लोकमान्य तिलक ने अपने कारावास काल का अधिकांश भाग मांडले जेल में ही गुज़ारा था।
3. लोकमान्य तिलक के जेल-जीवन के बारे में सुभाषचंद्र बोस ने वर्णन किया है कि उस अवधि में उन्हें किस हद तक शारीरिक और मानसिक यंत्रणाओं से गुज़रना पड़ा था। उन्हें किसी अन्य बंदी से मिलने-जुलने नहीं दिया जाता था। उन्हें सांत्वना देने वाली एकमात्र वस्तु किताबें थीं और वे एक कमरे में एकदम एकाकी रहते थे। उन तक कोई भी अखबार नहीं पहुँचने दिया जाता था।
4. लोकमान्य तिलक को अपने बहुमूल्य जीवन के छह लंबे वर्ष कठिन परिस्थितियों में बिताने के लिए विवश होना पड़ा था। उनकी अपनी एक अलग ही दुनिया थी और सभ्य समाज ने जिन विचारों और संस्कारों को प्रतिबद्ध होकर स्वीकार किया है वे जेलों में लागू नहीं होते। इसलिए सुभाषचंद्र बोस ने ऐसा कहा है कि जेलें मानव के कृतित्व की निशानी हैं।
5. लोकमान्य तिलक मधुमेह से पीड़ित होने के बावजूद इतने सुदीर्घ कारावास को झेलते गए और फिर भी अपनी समस्त बौद्धिक क्षमता एवं संघर्ष-शक्ति को अक्षुण्ण बनाए रखा। लोकमान्य तिलक ने जब मांडले जेल को अंतिम नमस्कार किया था तो उनके जीवन के दिन गिने-चुने ही रह गए थे इसलिए सुभाषचंद्र बोस ने ऐसा कहा है।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) मांडले (ख) वार्ड (ग) पीड़ित (घ) रिहा
2. (क) (iii) (ख) (i) (ग) (iii)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

1. लोकमान्य तिलक के जीवन से हम देश-प्रेम, दृढ़ इच्छाशक्ति, विपरीत परिस्थितियों से लड़ना तथा संघर्ष करना जैसे गुणों को ग्रहण कर सकते हैं।
2. सुभाषचंद्र बोस ने लोकमान्य तिलक द्वारा शारीरिक और मानसिक यंत्रणाओं को सहना, दार्शनिक जीवन, अदम्य इच्छाशक्ति, बौद्धिक क्षमता एवं संघर्ष-शक्ति को अक्षुण्ण बनाए रखना जैसे मानवीय गुणों का उल्लेख किया है।

V. भाषा कौशल

1. (क) भूतकाल (ख) भूतकाल (ग) भविष्यत् काल (घ) भविष्यत् काल
(ङ) वर्तमान काल (च) भूतकाल (छ) वर्तमान काल

2. (क) मानस + इक (ख) निष्कासन + इत (ग) शरीर + इक
(घ) संबंध + इत (ङ) कृति + त्व (च) पीड़ा + इत

3. (क) दुर्भाग्य (ख) सुदीर्घ (ग) सपूत (घ) निस्संदेह

4. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (ii) (घ) (i)

VI. रचनात्मक कोना

बच्चे स्वयं करें।

जाँच पत्र-1
(पाठ 1-11 पर आधारित)

कुल अंक 50

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

(क) प्रातःकाल सूर्योदय का।

(ख) मौलवी साहब को उस गाँव से बड़ा लगाव था। कारण कि उनका जन्म वहीं हुआ था और वहीं की मिट्टी में खेल-कूदकर वे बड़े हुए थे।

(ग) राजेंद्र बाबू की मुखाकृति ही नहीं, उनके शरीर के संपूर्ण गठन में एक सामान्य भारतीय जन की आकृति और गठन की छाया थी। अतः उन्हें देखने वाले को किसी-न-किसी आकृति का व्यक्ति स्मरण हो आता था और वह अनुभव करने लगता था कि इस प्रकार के व्यक्ति को पहले भी कहीं देखा है।

(घ) पंडित शादीराम ने पुरानी पत्रिकाओं के बारे में बतलाया कि ये पत्रिकाएँ उनके बड़े भाई की हैं। उन्हें पढ़ने का बहुत शौक था। वे ही ये पत्रिकाएँ मँगवाते थे। जब तक वे जीवित थे किसी को हाथ तक न लगाने देते थे। अब इन्हें कीड़े खा रहे हैं।

(ङ) सूर्य के प्रकाश के बारे में वेंकट रामन ने समझाया था कि सूर्य का प्रकाश जिन सात रंगों – बैंगनी, नीला, आसमानी, हरा, पीला, नारंगी और लाल से बना है, उनमें से नीले रंग को छोड़कर बाकी सभी रंग प्रकीर्णन के कारण अवशोषित होकर ऊर्जा में परिवर्तित हो जाते हैं परंतु नीला प्रकाश वापस परावर्तित हो जाता है।

(च) हमें अपने बड़े-बुजुर्गों के प्रति आदर-सम्मान का व्यवहार रखना चाहिए। उनकी देखभाल करनी चाहिए तथा उनकी आवश्यकताओं का ध्यान रखना चाहिए।

2. निम्नलिखित पंक्तियों के अर्थ लिखिए–

(क) प्रस्तुत कविता में सूर्योदय का वर्णन किया गया है। कवि यह समझा रहे हैं कि रात्रि के बाद जब ऊषा का आगमन होता है तो एक नया सवेरा होता है। मनुष्य एक नई आशा और उमंग के साथ दिन की शुरुआत करता है। ऐसा प्रतीत होता है मानो एक नवजीवन का आरंभ होने जा रहा है।

(ख) ये पंक्तियाँ हिंदी भाषा के महान साहित्यकार रामधारी सिंह 'दिनकर' द्वारा रचित हैं। कवि ने इन पंक्तियों में साहसी तथा वीर पुरुषों का वर्णन किया है, जो जीवन में आने वाली किसी भी बाधा से नहीं घबराते। बाधाओं रूपी काटों को भी जड़ से उखाड़ देते हैं। विपत्ति स्वयं को उनके समक्ष छोटा समझने लगती है, क्योंकि वे खुद विपत्ति के सामने अपनी हिम्मत दिखाते हैं जो कि किसी भी मुसीबत के ऊपर हावी हो जाती है। कवि के कहने का तात्पर्य यह है कि हर मुसीबत का सामना करने के लिए साहसी पुरुष तैयार रहते हैं।

3. पाठ के आधार पर बताइए कि निम्नलिखित वाक्य सही हैं या गलत –

(क) गलत (ख) सही (ग) सही (घ) गलत (ङ) सही

4. निम्नलिखित वाक्यों में से निर्देशानुसार शब्दों को चुनकर लिखिए–

(क) भयंकर (ख) इस (ग) वे (घ) पर (ङ) चारों ओर

5. उचित विकल्प चुनिए –

(क) (i) (ख) (iii) (ग) (i) (घ) (ii) (ङ) (iii)

6. **निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखते हुए वाक्यों में प्रयोग कीजिए–**

(क) चोर को देखकर पुलिस आग बबूला हो गई।

(ख) मेरे मित्र को कितना भी सत्संगति का पाठ पढ़ा लो, परंतु उसके कान पर जूँ तक नहीं रेंगती।

(ग) निम्न वर्गीय परिवारों में माता–पिता अपना पेट काटकर ही बच्चों की शिक्षा का प्रबंध करते हैं।

(घ) अध्यापक ने प्रथम श्रेणी में आने वाले छात्र की पीठ थपथपाई।

(ङ) दुकान में चोरी हो जाने पर सेठ जी ने सिर पीट लिया।

(च) तुम हमेशा विदेश जाने का राग क्यों अलापते रहते हो?

पाठ 13. मोको कहाँ ढूँढ़े

I. मौखिक कौशल

1. कविता के अंत में कवि ने कहा है कि भगवान विश्वास में बसते हैं।

2. यह कविता कबीर की रचना है।

II. लिखित कौशल

1. लोग ईश्वर को ढूँढ़ने के लिए तीर्थ, एकांत निवास, मंदिर, मस्जिद, काबा तथा कैलाश पर्वत तक चले जाते हैं।

2. ईश्वर हमारे पास हैं। वे सब जीवों की साँस में बसे हैं। जो मनुष्य विश्वास रखता है उसको ईश्वर मिल जाते हैं।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) कहाँ, पास (ख) कबीर, विश्वास **2.** (क) (iii) (ख) (i)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

इस कविता से हमें यह शिक्षा मिलती है कि ईश्वर को ढूँढ़ने के लिए आडंबर नहीं रचना चाहिए। ईश्वर तो कण-कण में बसते हैं। प्रत्येक जीव की साँस में ईश्वर रचे-बसे हैं। केवल मंदिर-मस्जिद जाने से ईश्वर प्राप्ति नहीं होगी अपितु ईश्वर प्राप्ति सच्ची मानव-सेवा द्वारा ही होगी।

V. भाषा कौशल

1. (क) कर्ता (ख) कर्म (ग) कर्म (घ) कर्ता

2. (क) एक (ख) मुझे (ग) तीर्थ (घ) मूर्ति (ङ) खोज

3. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (i)

VI. रचनात्मक कोना

1. (क) ओडिशा (ख) जम्मू और कश्मीर (ग) दिल्ली (घ) पंजाब (ङ) असम (च) आंध्र प्रदेश (छ) बिहार (ज) राजस्थान

2. तथा **3.** बच्चे स्वयं करें।

पाठ 14. वैद्य जी

I. मौखिक कौशल

1. रत्ना वैद्य जी की पत्नी थी।
2. भीलों के सरदार का नाम भीमनायक था।
3. वैद्य जी भीलों के गाँव में भीमनायक के बेटे का इलाज करने गए थे।
4. सरदार का बेटा वैद्य जी के बिस्तर पर लेटा था।
5. भीमनायक ने वैद्य जी के घर में चोरी की थी, इसलिए उसे पता था कि वैद्य जी के घर में दवा है।
6. सवेरा होने पर वैद्य जी अपने घर लौट आए।

II. लिखित कौशल

1. वैद्य जी ने अपने व्यवसाय के बारे में रत्ना से कहा कि हमारा वैद्यक का यह व्यवसाय ऐसा है जिसमें पैसा कमाना ठीक नहीं। यह है सिर्फ़ समाज की भलाई के लिए। समाज से हमें अपने गुज़ारे भर का पैसा मिले तो काफ़ी है।
2. वैद्य जी ने दरवाज़ा खोलने पर हाथ में मशाल लिए दो काले और मोटे आदमियों को देखा।
3. दोनों व्यक्ति वैद्य जी के पास दवा लेने आए थे।
4. बिस्तर देखकर वैद्य जी तुरंत पहचान गए कि यह उनके ही घर का है। वैद्य जी मन से बिस्तर की बात भूल गए। उनके हृदय में यह भावना जाग उठी कि वे चोरों के घर में नहीं, दुखी माँ-बाप के सामने हैं।
5. वैद्य जी ने भीमनायक को भगवान और शैतान के बारे में बताया कि बचाना भगवान का काम है और मारना शैतान का काम। किसी को बचाने के लिए जो आदमी जी-जान से कोशिश करेगा, उसे भगवान की मदद ज़रूर मिलेगी।
6. वैद्य जी के घर लौटने से पूर्व भीमनायक ने उनसे कहा कि पता नहीं भगवान हैं भी या नहीं पर मेरी आँखों के सामने आप ही मेरे लिए भगवान हैं। आपने मेरी जो सहायता की, उसे मैं कभी भूल नहीं सकता।
7. भीमनायक ने बिस्तर के बारे में वैद्य जी से कहा, "आपके बिस्तर पर मेरा बेटा लेटा हुआ था, इसलिए बिस्तर नहीं लाया। आपसे आग्रह है कि वह बिस्तर आशीष के तौर पर बेटे के पास ही रहने दें।"

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) सही (ख) सही (ग) गलत (घ) सही (ङ) गलत (च) सही
2. (क) (iii) (ख) (i) (ग) (ii) (घ) (ii)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

1. जिस व्यक्ति ने वैद्य जी के घर चोरी की, उसी के बेटे का उपचार करके वैद्य जी ने कर्तव्यनिष्ठा, परोपकार तथा दूसरों की सेवा-सहायता करना जैसे मानवीय गुणों का परिचय दिया है।
2. कुछ व्यवसाय ऐसे होते हैं जो समाज सेवा से जुड़े होते हैं। उन व्यवसायों में समाज का हित सर्वोपरि होता है न कि पैसा कमाना। वैद्यक का व्यवसाय भी ऐसा ही है जिसमें लोगों की सहायता करना प्रथम होता है धन कमाना द्वितीय।

V. भाषा कौशल

1. (क) विशेषण (ख) प्रविशेषण (ग) प्रविशेषण (घ) विशेषण (ङ) प्रविशेषण

2. (क) अंदर (ख) पीछे (ग) शैतान (घ) मुर्दा (ङ) अच्छाई/भलाई (च) उजाला

3. (क) (iii) (ख) (ii) (ग) (ii)

VI. रचनात्मक कोना

1. (क) चेचक (ख) हैज़ा (ग) निमोनिया (घ) ज़ुकाम (ङ) पीलिया
(च) पोलियो (छ) पेचिश (ज) मलेरिया

2. तथा **3.** बच्चे स्वयं करें।

पाठ 15. रहस्य खुल गया

I. मौखिक कौशल

1. राकेश के पिता का नाम प्रवेश शर्मा था।
2. राकेश ने अपने पिता को परेशान देखकर उनसे पूछा, "पिता जी, आप कुछ दिनों से बहुत परेशान दिखाई दे रहे हैं। आखिर ऐसी क्या बात है?"
3. राकेश ने अपने पिता से उनके साथ चलने का आग्रह किया।
4. बैठक शुरू होते ही मक्खियाँ मेज़ पर रखे फूलदान पर बैठ जाती थीं।
5. राकेश को इस बात की खुशी हो रही थी कि उसने एक ऐसे रहस्य का पर्दाफ़ाश किया है जिसके कारण देश की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती थी।

II. लिखित कौशल

1. प्रवेश शर्मा सेना में मेजर थे।
2. मेजर शर्मा की परेशानी का कारण था कि बैठक में जो भी बातें होतीं, वे सभी बातें दुश्मन-देश के पास पहुँच जाती थीं। उनकी समझ में नहीं आ रहा था कि भला ऐसा कैसे हो रहा है।
3. जब बैठक चल रही होती तब राकेश कमरे की सभी वस्तुओं का बहुत गहन दृष्टि से निरीक्षण करता रहता। जब बैठक में सैन्य अधिकारियों के बीच विचार-विमर्श चल रहा होता तब वह सभी अधिकारियों के चेहरे के भावों को भी पढ़ता रहता।
4. तीसरे दिन राकेश ने बैठक वाले कमरे में एक विशेष बात देखी। जिस समय बैठक होती थी, उसी समय कमरे में कुछ मक्खियाँ न जाने कहाँ से आ जातीं और मेज़ पर रखे फूलदान पर बैठ जाती थीं। ये सामान्य मक्खियों से कुछ भिन्न प्रकार की थीं और आकार में भी थोड़ी बड़ी थीं।
5. राकेश अपना जेबी ट्रांजिस्टर लेकर पिता जी के कार्यालय गया। उसने पाया कि जैसे ही मक्खियाँ कमरे में आईं वैसे ही ट्रांजिस्टर के डायल पर एक स्थान पर कुछ अस्पष्ट-सी ध्वनियाँ उभरने लगीं। डायल के उस स्थान पर या उसके आस-पास कोई रेडियो केंद्र भी नहीं कि उसकी आवाज़ आ रही हो। उसे अपना अनुमान ठीक प्रतीत होने लगा।
6. राकेश ने एक ऐसे रहस्य का पर्दाफ़ाश किया था जिसके कारण देश की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती थी। सैन्य-अधिकारियों की बैठक में जो महत्वपूर्ण बातें होतीं, वे दुश्मन-देश के पास पहुँच जाती थीं। राकेश ने देखा कि बैठक शुरू होते ही उस कमरे में कुछ मक्खियाँ मेज़ पर रखे फूलदान पर बैठ जाती हैं। वे मक्खियाँ सामान्य मक्खियों से भिन्न प्रकार की थीं। राकेश को शक हुआ तथा वह अपना जेबी ट्रांजिस्टर लेकर पिता जी के कार्यालय गया। राकेश ने पाया कि जैसे ही मक्खियाँ कमरे में आईं वैसे ही ट्रांजिस्टर के डायल पर अस्पष्ट-सी ध्वनियाँ उभरने लगीं। राकेश ने एक मक्खी को पकड़कर अवलोकन किया तथा देखा कि मक्खी के पेट में बहुत शक्तिशाली ट्रांसमीटर लगा था। ये मक्खियाँ दुश्मन-सेना के मुख्यालय द्वारा नियंत्रित होती थीं। इस प्रकार राकेश ने सबके सामने इस रहस्य का पर्दाफ़ाश किया।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) पुरस्कृत (ख) निष्फल (ग) उपस्थिति (घ) ट्रांजिस्टर (ङ) पेट
2. (क) (i) (ख) (iii) (ग) (ii)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

1. मेजर शर्मा के व्यक्तित्व से देश-प्रेम, अदम्य बहादुरी, सहयोगियों से विचार-विमर्श करना तथा देश की सुरक्षा की चिंता करना जैसे गुणों को अपनाने की प्रेरणा ले सकते हैं।
2. राकेश ने रहस्य पर से पर्दा उठाकर देश-प्रेम, सूझबूझ, समस्या-समाधान कौशल, जिज्ञासा तथा देश की रक्षा का भाव जैसी बातों का परिचय दिया।

V. भाषा कौशल

1. (क) स्त्रीलिंग, बहुवचन (ख) पुल्लिंग, एकवचन (ग) पुल्लिंग, बहुवचन
   (घ) पुल्लिंग, बहुवचन (ङ) स्त्रीलिंग, एकवचन
2. (क) र् + अ + ह् + अ + स् + य् + अ
   (ख) म् + अ + ह् + अ + त् + व् + अ + प् + ऊ + र् + ण् + अ
   (ग) अ + ध् + य् + अ + य् + अ + न् + अ
   (घ) क् + आ + र् + य् + आ + ल् + अ + य् + अ
   (ङ) व् + इ + ज् + ञ् + आ + न् + अ
   (च) आ + ग् + र् + अ + ह् + अ
3. (क) (iii) (ख) (ii) (ग) (i) (घ) (iii)

VI. रचनात्मक कोना

बच्चे स्वयं करें।

पाठ 16. पुस्तक-कीट

I. मौखिक कौशल

1. मालती कक्षा में भागी जा रही थी।
2. निर्मला आठवीं कक्षा में पढ़ती थी।
3. निर्मला की सेहत के बारे में सुलेखा तथा उसकी सहेलियों को चिंता हो रही थी।
4. निर्मला ने 'पेरिस' को अमरीका की राजधानी बताया था।
5. अध्यापिका घूमने के लिए शिमला जा रही थीं।

II. लिखित कौशल

1. कुसुम और लता ने मालती को बताया कि आठवीं कक्षा में पढ़ने वाली निर्मला को अध्यापिका जी ने हॉल में बुलाया है। सुलेखा उसके बारे में उन्हें कुछ बताने वाली है।
2. निर्मला रात-दिन किताबों में घुसी रहती थी। जिससे उसका स्वास्थ्य बिगड़ता जा रहा था। निर्मला की सहेली सुलेखा ने अध्यापिका से इस बारे में बताया तो अध्यापिका ने निर्मला को समझाने के लिए अपने पास बुलाया।
3. सुलेखा ने निर्मला के बारे में अध्यापिका से कहा कि यह रात-दिन किताबों में घुसी रहती है। अपने स्वास्थ्य का ज़रा-सा भी खयाल नहीं है। सहेली होने के नाते इसकी सेहत देखकर हम सबको चिंता हो रही है।
4. अध्यापिका ने निर्मला से भूगोल तथा इतिहास से संबंधित प्रश्न पूछे।
5. अध्यापिका ने निर्मला को आदेश दिया कि तुम दो महीने तक किताबों की सूरत न देखो। अपनी सब किताबें मेरे पास जमा कर दो और इस अवधि में किसी हिल स्टेशन पर जाकर रहो। हिल स्टेशन से लौटकर तुम्हें प्रतिदिन एक घंटा घूमना और दो घंटे खेलना होगा। रात में तुम्हें पर्याप्त सोना होगा।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) हॉल (ख) घंटी (ग) पर्वत (घ) सूरत
2. (क) (i) (ख) (iii) (ग) (ii)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

1. अध्यापिका ने जो दंड निर्मला को सुनाया उससे पता चलता है कि वे छात्राओं से प्रेमवत् व्यवहार करती हैं। उनकी डाँट में भी प्यार ही छिपा है। वे निर्मला के स्वास्थ्य के बारे में चिंतित हैं। इससे पता चलता है कि वे छात्राओं का ध्यान भी रखती हैं।
2. सुलेखा ने एक सहेली, एक सहपाठी होने का कर्तव्य ईमानदारी से निभाया। उसने सच्चे मित्र और अपने मित्रों का ध्यान रखने जैसे मानवीय मूल्य का परिचय दिया है।

V. भाषा कौशल

1. (क) तेज़ी से – रीतिवाचक (ख) वहाँ – स्थानवाचक (ग) कुछ – परिमाणवाचक (घ) अंदर – स्थानवाचक (ङ) इतना – परिमाणवाचक (च) लगातार – रीतिवाचक (छ) अब – कालवाचक (ज) ज़रा – परिमाणवाचक

2. (क) अच्छा (ख) ऊपर (ग) कमरा (घ) फ़ैसला

3. (क) (i) (ख) (iii) (ग) (ii)

VI. रचनात्मक कोना

बच्चे स्वयं करें।

पाठ 17. भारत और एकता

I. मौखिक कौशल

1. भारत के लोग दूसरे देशों में बौद्ध धर्म ले गए थे।
2. बर्मा का वर्तमान नाम म्याँमार है।
3. इंडोनेशिया और मंगोलिया में अब भी संस्कृत भाषा के शब्द मिलते हैं।

II. लिखित कौशल

1. लेखक के अनुसार, भारत के इतिहास में एक बात बड़ी अच्छी है कि यहाँ संस्कृति की एकता बड़ी मज़बूत है।
2. मंगोलिया के इतिहास में लिखा है कि भारत से एक बड़ा आदमी आया और उसने मंगोलिया की राजकुमारी से विवाह किया, उससे मंगोलिया का राज-खानदान शुरू हुआ।
3. लेखक के अनुसार, हमारे समाज का संगठन अजीब था, वह एक-दूसरे को जोड़ता भी था और एक-दूसरे से अलग भी करता था।
4. लेखक ने भारत में सबसे खराब चीज़ यहाँ की जाति-प्रथा को बताया है। वह सब तरह की तरक्की की बिलकुल विरोधी है। जाति-प्रथा देश तथा समाज को अलग-अलग भागों में बाँटती है। इस तरह वह मिलाने का नहीं बल्कि बाँटने का कारण बनती है। आज वह एकदम हानिकारक बन गई है।
5. हमारे देश का इतिहास हमें यह सिखलाता है कि धर्म के मामले में एक-दूसरे से मिलकर रहना चाहिए।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) प्रभाव (ख) विख्यात (ग) अनोखी (घ) एकता
2. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (iii)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

1. यह पाठ हमें भारतीय संस्कृति की महत्ता को जानने और समझने के लिए प्रेरित करता है। यह पाठ संदेश देता है कि हमें आपसी बैर-भाव मिटाना चाहिए तथा जाति-प्रथा की भावना को अपने मन से एवं समाज से दूर करना चाहिए।
2. नहीं, समाज में जाति-प्रथा नहीं होनी चाहिए। यह बहुत खराब चीज़ है। यह तरक्की में बाधा उत्पन्न करती है। जाति-प्रथा देश तथा समाज को अलग-अलग हिस्सों में बाँटती है। यह समाज को बाँटने का काम करती है न कि समाज को जोड़ने का। अतः यह समाज के लिए हानिकारक चीज़ है।

V. भाषा कौशल

1. (क) सकर्मक (ख) सकर्मक (ग) सकर्मक (घ) सकर्मक (ङ) अकर्मक (च) अकर्मक (छ) अकर्मक (ज) अकर्मक (झ) अकर्मक (ञ) सकर्मक
2. (क) विदेश (ख) बाहर (ग) नीचा (घ) वहाँ (ङ) बुरा (च) पुराने
3. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (i)

VI. रचनात्मक कोना

बच्चे स्वयं करें।

पाठ 19. ऋतुराज वसंत

I. मौखिक कौशल

1. ऋतुओं का राजा वसंत को कहा गया है।
2. वसंत के आगमन का संदेश कोयल दे रही है।
3. सरसों के फूल पीले रंग के होते हैं।

II. लिखित कौशल

1. कवि अपनी माँ को ऋतुराज वसंत के आगमन की सूचना दे रहे हैं।
2. वसंत के आने पर कोयल कूकती है और लोगों को वसंत के आगमन का संदेश देती है।
3. मंद-मंद हवा के झोंके जगत को शीतलता प्रदान करते हैं।
4. पंक्तियों का अर्थ है, माँ, ऋतुओं का राजा वसंत आ गया है। पीली-पीली सरसों फूल चुकी है और उनपर सूरज की किरणें गिरकर सोने जैसी चमकीली लग रही हैं। खेतों में भी सोने की सी चमक बिखरी हुई है।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) मधु, छाया (ख) वसंती, ऋतुराज **2.** (क) (i) (ख) (iii)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

वसंत का आगमन संदेश देता है कि हमें प्रकृति से प्रेम करना चाहिए और उसका रख-रखाव करना चाहिए। हमें मिल-जुलकर रहना चाहिए और अपने तथा दूसरों के जीवन में खुशियाँ भरनी चाहिए।

V. भाषा कौशल

1. (क) निषेधवाचक – तुम्हें मेरे साथ नहीं आना तो यह तुम्हारी मर्ज़ी है।
   प्रश्नवाचक – क्या बात है आजकल राकेश रोशनलाल जी के साथ बहुत घूमता-फिरता है?
   (ख) निषेधवाचक – तुम्हारे साथ घूमना मुझे पसंद नहीं।
   प्रश्नवाचक – क्या तुम मेरे साथ बाग में घूमना पसंद करोगे?
   (ग) निषेधवाचक – मैं तुम्हारा कहना नहीं मानूँगा।
   प्रश्नवाचक – तुमने मेरा कहना क्यों नहीं माना?
   (घ) निषेधवाचक – सब सामान आ गया अब तुम्हें कुछ नहीं लाना।
   प्रश्नवाचक – क्या तुम्हें बाज़ार से सामान लाना है?
   (अध्यापक/अध्यापिका बच्चों से वाक्य बनवाएँ।)
2. (क) (iii) (ख) (i) (ग) (ii)

VI. रचनात्मक कोना

1. वसंत → ग्रीष्म → वर्षा → शरद → हेमंत → शिशिर
2. बच्चे स्वयं करें।

पाठ 20. दो कलाकार

I. मौखिक कौशल

1. अरुणा और चित्रा में से चित्रा चित्रकार थी।
2. अरुणा और चित्रा हॉस्टल में रहती थीं।
3. चित्रा के पास उसके पिता जी का पत्र आया था।
4. अरुणा पंद्रह दिनों बाद लौटी थी।
5. अरुणा के पति बच्चों को प्रदर्शनी दिखाने के लिए ले गए।

II. लिखित कौशल

1. चित्रा ने अरुणा को अपना बनाया हुआ चित्र दिखाने के लिए जगाया था।
2. चित्र देखकर अरुणा ने उसे राय दी कि हज़ार बार तुझसे कहा कि जिसका चित्र बनाए उसका नाम लिख दिया कर जिससे गलतफ़हमी न हुआ करे, वरना तू बनाए हाथी और हम समझें उल्लू।
3. रविवार के दिन अरुणा बच्चों के लिए पाठशाला लगाया करती थी।
4. चित्रा के पिता जी ने पत्र में लिखा था कि जैसे ही चित्रा का कोर्स समाप्त हो जाए, वह विदेश जा सकती है।
5. चित्रा और अरुणा के बीच कला और जीवन को लेकर लंबी-लंबी बहसें होती थीं।
6. बाढ़-पीड़ितों की सहायता करने के लिए स्वयंसेवकों का एक दल जा रहा था। अरुणा ने भी उनके साथ जाने के लिए प्रिंसिपल साहिबा से अनुमति ली थी।
7. चित्रा ने देरी से आने का कारण बतलाया था कि गर्ग स्टोर्स के सामने पेड़ के नीचे एक भिखारिन मरी पड़ी है और उसके दोनों बच्चे उसके सूखे शरीर से चिपककर बुरी तरह रो रहे हैं। जाने क्या था उस सारे दृश्य में कि मैं अपने को रोक नहीं सकी, एक स्केच बना ही डाला। बस, इसी में इतनी देर हो गई।
8. अरुणा के साथ आए बच्चों का वास्तविक परिचय जानकर चित्रा की आँखें फैली की फैली रह गईं। वह कुछ सोचने लगी तथा शब्द शायद उसके विचारों में ही खो गए।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (ग) (घ) (ख) (ङ) (क)
2. (क) (i) (ख) (iii) (ग) (ii)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

1. इन पंक्तियों से पता चलता है कि अरुणा ने भिखारिन के बच्चों को अपनाया, उनका पालन-पोषण किया। उसका ऐसा करना उसके ममता एवं त्याग जैसे मानवीय गुणों को प्रदर्शित करता है।
2. इस वाक्य से चित्रा का अपनी सहेली से लगाव उभरता है। यह वाक्य चित्रा का धरातल से जुड़ा रहना भी दिखाता है क्योंकि एक प्रसिद्ध चित्रकार होने के बावजूद भी वह आत्मीयता को स्थान देती है।

V. भाषा कौशल

1. (क) दिन = दिवस, दीन = गरीब (ख) शौक = चाव, शोक = दुख
   (ग) क्रम = सिलसिलेवार, कर्म = काम (घ) अपेक्षा = उम्मीद, उपेक्षा = अनादर

2. (क) कालवाचक क्रियाविशेषण (ख) संयुक्त क्रिया (ग) भूतकाल (घ) विशेषण
(ङ) विशेषण

3. (क) निरर्थक, निर्जीव (ख) चित्र, तस्वीर (ग) बच्चा, लड़का
(घ) हॉस्टल, आइडिया (ङ) साहिबा, शोहरत

4. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (i)

VI. रचनात्मक कोना

1. ऊपर से नीचे – (1) पाठशाला (2) अंत (4) निरर्थक (6) विदेश
बाएँ से दाएँ – (3) तस्वीर (5) कलाकार (6) विदाई (7) प्रदेश

2. तथा **3.** बच्चे स्वयं करें।

4. (क) बच्चों के अधिकारों से संबंधित
(ख) वृद्ध लोगों के अधिकारों एवं उनकी देखभाल से संबंधित
(ग) विकलांग बच्चों की शिक्षा तथा स्वास्थ्य से संबंधित
(घ) गरीब बच्चों की शिक्षा और रोज़गार से संबंधित
(ङ) कैंसर की रोकथाम तथा जागरूकता से संबंधित

पाठ 21. हौसले से वीर – युवराज

I. मौखिक कौशल

1. सन् 2011 में भारत ने क्रिकेट विश्व-कप जीतने का इतिहास दोहराया था इसलिए सन् 2011 भारतीय क्रिकेट जगत के लिए ऐतिहासिक रहा।
2. युवराज सिंह का संबंध क्रिकेट से है।
3. युवराज सिंह की आत्मकथा का नाम 'दि टेस्ट ऑफ़ माई लाइफ़–फ्रॉम क्रिकेट टू कैंसर एंड बैक' है।
4. युवराज सिंह की संस्था का नाम 'यू वी कैन' है।

II. लिखित कौशल

1. सन् 2011 के क्रिकेट विश्व-कप में 'प्लेयर ऑफ़ दि टूर्नामेंट' युवराज सिंह को चुना गया था।
2. कैंसर होने पर युवराज सोचने लगे थे कि शायद फिर कभी बल्ला न थाम पाएँ।
3. युवराज के अनुसार, जब एक बार मृत्यु को करीब से देखते हैं तब ज़िंदगी की असली कीमत समझ में आती है। आसान-सी लगने वाली चीज़ें भी महत्वपूर्ण बन जाती हैं।
4. कीमोथेरेपी के कारण युवराज को शरीर की पीड़ा सहना, साँस लेने की कोशिश में दम घुटने लगना, खाना पचा नहीं पाना आदि कष्ट सहने पड़ते थे।
5. सबसे पहले युवराज सिंह की योजना थी कि उन बातों को कलमबद्ध किया जाए, जो कुछ भी उनके मित्रों ने उनके बारे में कहा, जब वे बीमार थे। फिर उनके मित्र और मैनेजर निशांत ने कहा कि अपनी आत्मकथा के माध्यम से उनको अपनी कहानी संसार को बतानी चाहिए जिससे हर कोई प्रेरणा ले सके। कई मरीज़ों ने युवराज को बताया कि उनको देखकर उन्हें भी हौसला हुआ है कि वे भी उनकी तरह स्वस्थ हो जाएँगे। उसके बाद फिर युवराज ने सोचा कि उन्हें भी कैंसर के विरुद्ध अपनी इस लड़ाई के बारे में लिखना चाहिए।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) गलत (ख) गलत (ग) सही (घ) सही
2. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (i)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

इस पाठ में युवराज सिंह के साहस, सहनशक्ति, दृढ़-निश्चय, समाज सेवा तथा क्रिकेट के प्रति उनका समर्पण जैसे गुणों का उल्लेख किया गया है।

V. भाषा कौशल

1. (क) पुनर्जन्म (ख) उपरांत (ग) अधिकाधिक (घ) चिकित्सालय
2. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (iii)

VI. रचनात्मक कोना

बच्चे स्वयं करें।

पाठ 22. अन्याय के विरोध में

I. मौखिक कौशल

1. जूलिया लेखक के बच्चों की देखभाल करती थी तथा उन्हें पढ़ाती थी।
2. जूलिया की तनख्वाह चालीस रूबल महीना तय हुई थी।
3. जूलिया ने चाय की प्लेट और प्याली तोड़ डाली थी।
4. जैकेट फटने की वजह से जूलिया के दस रूबल कट गए।

II. लिखित कौशल

1. लेखक ने जूलिया को उसकी तनख्वाह का हिसाब करने के लिए बुलाया था।
2. लेखक ने जूलिया को अस्सी रूबल दिए थे।
3. लेखक जूलिया को समझाना चाह रहे थे कि हमें अन्याय के विरुद्ध अपनी आवाज़ उठानी चाहिए। हमें अपने अधिकारों के लिए लड़ना चाहिए। हमें चुपचाप ज़्यादतियाँ नहीं सहनी चाहिए। अपने अस्तित्व को बनाए रखने के लिए हमें इस कठोर, निर्मम और हृदयहीन संसार से लड़ना चाहिए।
4. (क) लेखक ने जूलिया से पूछा है कि क्या इनसान को अन्याय के खिलाफ़ नहीं लड़ना चाहिए। क्या भला कहलाए जाने के लिए अन्याय को सहते रहना ज़रूरी है? क्या हमें गलत बात का विरोध नहीं करना चाहिए?
(ख) लेखक ने जूलिया को समझाया कि इस संसार में डरपोक लोगों को जीने का अधिकार नहीं है। जो लोग डरते हैं न तो वे अपना भला कर सकते हैं और न ही दूसरों का। ऐसे कमज़ोर हृदय वाले लोगों के लिए इस दुनिया में कोई जगह नहीं है।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) गलत (ख) सही (ग) गलत (घ) सही (ङ) सही
2. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (iii) (घ) (ii)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

1. लोगों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना तथा दूसरों को निर्भय बनाना लेखक के चरित्र की विशेषताएँ हैं।
2. जूलिया के व्यक्तित्व में सहनशीलता, अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन, सच्चाई तथा धैर्य जैसे गुणों की झलक मिलती है।

V. भाषा कौशल

1. (क) बार-बार (ख) जहाँ-जहाँ (ग) दो-तीन (घ) इधर-उधर (ङ) काम-वाम
2. (क) जब (ख) और (ग) क्योंकि (घ) और (ङ) कि
3. (क) (ii) (ख) (ii) (ग) (ii)

VI. रचनात्मक कोना

1. (क) यूआन (ख) रुपया (ग) येन (घ) लीरा (ङ) फ्रैंक (च) रियाल
2. तथा **3.** बच्चे स्वयं करें।

पाठ 23. भारत-दर्शन

I. मौखिक कौशल

1. मिज़ोरम राज्य की राजधानी का नाम आइजॉल है।
2. वनतौंग जलप्रपात आइजॉल से 142 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।
3. मोरनी हिल्स हरियाणा राज्य में स्थित है।
4. चैल हिमाचल प्रदेश राज्य में स्थित है।

II. लिखित कौशल

1. आइजॉल पहुँचने के लिए पर्यटक असम के सिल्चर तक रेल मार्ग, वायु मार्ग या मुख्य सड़क मार्ग द्वारा पहुँच सकते हैं। सिल्चर से टैक्सी लेकर लगभग छह घंटे में आइजॉल पहुँचा जा सकता है।
2. पर्यटकों में बक्तौंग गाँव देखने की उत्सुकता इसलिए बनी रहती है क्योंकि यह वही गाँव है जहाँ विश्व का सबसे बड़ा परिवार रहता है। इस परिवार में दादा-दादी से लेकर पोते-पोतियों की संख्या 180 है।
3. मोरनी हिल्स में निर्मित कृत्रिम झीलों के नाम 'टिक्कर ताल', 'बड़ा टिक्कर' और 'छोटा टिक्कर' हैं।
4. चैल पटियाला के महाराजा भूपिंदर सिंह की ग्रीष्मकालीन राजधानी थी। इस स्थान के विकास की कहानी बड़ी रोचक है। सन् 1891 में किसी बात पर अंग्रेज़ कमांडर लॉर्ड किचनेर की अनबन पटियाला के महाराजा भूपिंदर सिंह से हो गई। उसने तत्कालीन ग्रीष्मकालीन राजधानी शिमला में महाराजा के प्रवेश पर रोक लगवा दी। तब महाराजा ने अपने लिए नई ग्रीष्मकालीन राजधानी बनाने का निर्णय लिया। इसके लिए उन्होंने शिमला के पास एक छोटे-से गाँव 'चैल' को विकसित किया।
5. चैल अभयारण्य में साँभर, कक्कड़, यूरोपीय लाल हिरण, हिमालयी भालू, तेंदुए आदि जानवर देखे जा सकते हैं।
6. 'कोटागिरी' का शाब्दिक अर्थ है–'कोटा के घर'।
7. उड़ने वाली गिलहरी 'लौंगवुड शोला' मुख्य शहर से 3 किलोमीटर की दूरी पर स्थित जंगल में पाई जाती है।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) गलत (ख) गलत (ग) सही (घ) सही (ङ) गलत (च) गलत (छ) गलत
2. (क) (i) (ख) (ii) (ग) (iii)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

1. इस पाठ का उद्देश्य है–भारत की सांस्कृतिक एवं भोगौलिक महत्ता को समझना, प्रकृति-प्रेम, भिन्न-भिन्न प्रदेशों के बारे में जानकारी जुटाना तथा घूमने का आनंद उठाना।
2. महाराजा भूपिंदर सिंह कला प्रेमी तथा प्रकृति प्रेमी थे। अंग्रेज़ कमांडर से अनबन होने के बाद उन्होंने चैल को विकसित किया। महाराजा भूपिंदर सिंह के अंदर अंग्रेज़ों के खिलाफ़ विद्रोह की भावना भी दिखाई दी।

V. भाषा कौशल

1. (क) वहाँ परंपरागत पोशाकें मिल जाएँगी। (ख) मैंने पू जियोना से मुलाकात की। (ग) उन्हें ट्रैकिंग के लिए अनुमति लेनी पड़ेगी।

(घ) हम ट्रैकिंग का आनंद ले रहे हैं।
(ङ) इस किले में महारानी रहती थीं।
(च) बच्चों का दल जलप्रपात देखने जा रहा है।

2. (क) विशेषकर (ख) प्राकृतिक (ग) विकसित (घ) दार्शनिक
(ङ) उपयोगी (च) संबंधित

3. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (ii) (घ) (i)

VI. रचनात्मक कोना

विद्‌यार्थी स्वयं करें।

जाँच पत्र-2
(पाठ 13-23 पर आधारित)

कुल अंक 50

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

(क) लोग ईश्वर को ढूँढ़ने के लिए तीर्थ, एकांत निवास, मंदिर, मस्जिद, काबा तथा कैलाश पर्वत तक चले जाते हैं।

(ख) वैद्य जी ने अपने व्यवसाय के बारे में रत्ना से कहा कि हमारा वैद्यक का यह व्यवसाय ऐसा है जिसमें पैसा कमाना ठीक नहीं। यह है सिर्फ़ समाज की भलाई के लिए। समाज से हमें अपने गुज़ारे भर का पैसा मिले तो काफ़ी है।

(ग) तीसरे दिन राकेश ने बैठक वाले कमरे में एक विशेष बात देखी। जिस समय बैठक होती थी, उसी समय कमरे में कुछ मक्खियाँ न जाने कहाँ से आ जातीं और मेज़ पर रखे फूलदान पर बैठ जाती थीं। ये सामान्य मक्खियों से कुछ भिन्न प्रकार की थीं और आकार में भी थोड़ी बड़ी थीं।

(घ) सुलेखा ने निर्मला के बारे में अध्यापिका से कहा कि यह रात-दिन किताबों में घुसी रहती है। अपने स्वास्थ्य का ज़रा-सा भी खयाल नहीं है। सहेली होने के नाते इसकी सेहत देखकर हम सबको चिंता हो रही है।

(ङ) मंगोलिया के इतिहास में लिखा है कि भारत से एक बड़ा आदमी आया और उसने मंगोलिया की राजकुमारी से विवाह किया, उससे मंगोलिया का राज-खानदान शुरू हुआ।

(च) अरुणा ने भिखारिन के बच्चों को अपनाया, उनका पालन-पोषण किया। उसका ऐसा करना उसके ममता एवं त्याग जैसे मानवीय गुणों को प्रदर्शित करता है।

2. निम्नलिखित वाक्य किसने किससे तथा क्यों कहे?

(क) जूलिया ने लेखक से (ख) चित्रा ने अरुणा से कहा।

3. सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए–

(क) भौरे (ख) रमणीक (ग) लालसा (घ) शब्द (ङ) विश्वास

4. निम्नलिखित वाक्यों में से निर्देशानुसार शब्दों को चुनकर लिखिए–

(क) भगवान को (ख) गहरी (ग) बहुत (घ) इतना (ङ) लेते थे।

5. उचित विकल्प चुनिए –

(क) (ii) (ख) (iii) (ग) (ii) (घ) (ii) (ङ) (ii)

6. निम्नलिखित शब्दों का अर्थ लिखते हुए वाक्य बनाइए–

(क) **उपवास** – आज मेरा उपवास है।

(ख) **आशीष** – माता-पिता हमें आशीष देते हैं।

(ग) **जटिल** – यह एक जटिल समस्या है।

(घ) **अवधि** – इस प्रश्न-पत्र को हल करने की अवधि दो घंटे है।

(ङ) **निर्मम** – माँ का प्यार निर्मम नहीं होता।

(च) **रोमांचक** – यह नाटक अत्यंत रोमांचक है।

पीरियोडिक टेस्ट-1
(पाठ 1 से 6 तक)

समयावधि : .... **पूर्णांक : 20**

1. (क) वेंकट रामन बचपन से ही कुशाग्रबुद्धि के बालक थे।
(ख) मुख्य विषय के रूप में भौतिकी को चुना।
(ग) वेंकट रामन के बड़े भाई 'भारतीय लेखा सेवा' में पदस्थ थे।
(घ) सर्व + अधिक (ङ) (ii)

2. निर्देशानुसार कीजिए –
(क) (ii) (ख) (iii) (ग) (i) नगर + इक (घ) (iii) (ङ) (i) परीक्षाएँ (ii) उपलब्धियाँ

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए –
(क) उषा के आगमन पर अँधेरा दूर हो जाता है और धरती पर सूरज का प्रकाश फैल जाता है। पक्षी गा-गाकर सबको सुबह होने का संदेश देने लगते हैं और समस्त संसार अपने-अपने कामों में लग जाता है।
(ख) देवी गिरधारी और उसके मित्रों की साज़िश से मौलवी साहब को बचाने तथा उन्हें गाँव छोड़कर चले जाने की बात कहने के उद्देश्य से उनके घर आया था।
(ग) लेखिका को राजेंद्र बाबू के निकट संपर्क में आने का अवसर सन् 1935 में मिला, जब वे कांग्रेस के अध्यक्ष के रूप में इलाहाबाद महिला विद्यापीठ के भवन का शिलान्यास करने प्रयाग आए थे।
(घ) पंडित शादीराम ने कई बार एक-एक कर पैसे जमा किए जिससे लाला जी का ऋण उतारा जा सके पर हर बार कोई न कोई ऐसा खर्च निकल आता कि उनका सारा जमा उसी में खर्च हो जाता। इस बार भी जब पंडित जी ने अस्सी रुपये जोड़ लिए तो उनका बेटा बीमार पड़ गया जिसके इलाज में उनका जमा किया पैसा खर्च हो गया। इसलिए पंडित शादीराम लाला जी का ऋण नहीं उतार पा रहे थे।
(ङ) लंदन जाने के लिए वेंकट रामन समुद्री जहाज़ पर सवार हुए। यह उनकी पहली विदेश यात्रा थी। इस यात्रा में उनके जीवन की एक महत्वपूर्ण घटना घटी। उन्होंने भूमध्य सागर के गहरे नीले पानी को देखा। इस नीले पानी को देखकर उनके मन में एक प्रश्न उभरा कि क्या यह नीला रंग पानी का है या नीले आकाश की परछाईं के कारण समुद्र नीला दिखता है। बाद में रामन ने अपने शोधों के माध्यम से यह निष्कर्ष निकाला कि यह नीला रंग न पानी का है, न ही आकाश का। यह नीला रंग तो पानी तथा हवा के कणों द्वारा प्रकाश के प्रकीर्णन से उत्पन्न होता है।

4. विद्यार्थी स्वयं करेंगे।
उत्तर के लिए संकेत-बिंदु – (i) प्रातःकाल का आरंभ – समय तथा उजाला।
(ii) चिड़ियों तथा अन्य पक्षियों का चहकना।
(iii) उपवन में सैर करने वाले लोग।
(iv) स्कूल जाते बच्चे।
(v) सड़कों पर लोगों का आवागमन।
(vi) मंदिरों में घंटियों की आवाज़।

पीरियोडिक टेस्ट-2
(पाठ 1 से 12 तक)

समयावधि : .... **पूर्णांक : 20**

1. (क) विपत्ति कायर को दहलाती है।
   (ख) विपत्ति आने पर वीर पुरुष साहस और धैर्य से उसका सामना करते हैं।
   (ग) वीर पुरुष विघ्नों को गले लगाते हैं। (घ) साहसी
   (ङ) उ + द् + य् + ओ + ग् + अ
2. **निर्देशानुसार कीजिए –**
   (क) (iii) (ख) (i) पुल्लिंग (ii) स्त्रीलिंग
   (ग) (i) गुणवाचक विशेषण (ii) सार्वनामिक विशेषण
   (घ) (i) ताज़गी (ii) ठंडक (ङ) (i) भूतकाल (ii) भविष्यकाल
3. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए –**
   (क) लोकमान्य तिलक को अपने बहुमूल्य जीवन के छह लंबे वर्ष कठिन परिस्थितियों में बिताने के लिए विवश होना पड़ा था। उनकी अपनी एक अलग ही दुनिया थी और सभ्य समाज ने जिन विचारों और संस्कारों को प्रतिबद्ध होकर स्वीकार किया है वे जेलों में लागू नहीं होते। इसलिए सुभाषचंद्र बोस ने ऐसा कहा है कि जेलें मानव के कृतित्व की निशानी हैं।
   (ख) सोमपाल ने सेठ से गाड़ी की कीमत के बारे में कहा, "सेठ जी, मोल-भाव में क्या रखा है! सामने आदमी देखा जाता है। एक ही बात बता दूँ कि इस गाड़ी के दो मुट्ठी टके लूँगा। बोलो, सौदा मंजूर है!"
   (ग) राजेंद्र बाबू की पत्नी का छात्रावास की सभी बालिकाओं के साथ बहुत अच्छा व्यवहार था। उन्हें सभी का समान रूप से ध्यान रहता था। वे सभी को बुला-बुलाकर उनका तथा उनके परिवार का कुशल-मंगल पूछना न भूलती थीं। इसके साथ ही घर से लाए गए मिष्ठान्न सभी बालिकाओं एवं वहाँ के नौकर-चाकरों में बाँटे जाते थे।
   (घ) पूड़ियों की सुगंध से बेचैन होकर काकी हाथों के बल सरकती हुई बड़ी कठिनाई से चौखट से उतरीं और धीरे-धीरे रेंगती हुई कड़ाह के पास जा बैठीं।
   (ङ) बहुत सारे बच्चे पहलवानी करने का विचार यह सोचकर छोड़ देते हैं कि वे इतनी खुराक कैसे खाएँगे या कहाँ से खाएँगे।
4. विद्यार्थी स्वयं करेंगे।
   उत्तर के लिए संकेत-बिंदु – (i) पत्र का आरंभ – संबोधन एवं अभिवादन
   (ii) औपचारिकता
   (iii) पत्र का कलेवर (जो बात आप कहना चाहते हो)
   (iv) आभार
   (v) धन्यवाद तथा अपना नाम

पीरियोडिक टेस्ट–3
(पाठ 1 से 18 तक)

समयावधि : .... **पूर्णांक : 20**

1. (क) भारत में एक मायने में सबसे खराब चीज़ यहाँ की जाति-प्रथा है।
   (ख) जाति-प्रथा देश तथा समाज को अलग-अलग भागों में बाँटती है। इस तरह वह मिलाने का नहीं बल्कि बाँटने का कारण बनती है। आज वह एकदम हानिकारक बन गई है।
   (ग) भारत का नाम इसलिए बहुत ऊँचा था। लोग आज़ादी से दुनिया भर में आते-जाते थे, अपनी बुद्धि से, अपनी शक्ति से और भारत की शक्ति से प्रभाव डालते थे।
   (घ) लाभदायक (ङ) आज़ाद + ई
2. **निर्देशानुसार कीजिए –**
   (क) (i) (ख) (ii) (ग) (i) एक (ii) तीर्थ (घ) (ii) (ङ) (ii)
3. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए –**
   (क) दोनों व्यक्ति वैद्य जी के पास दवा लेने आए थे।
   (ख) जब बैठक चल रही होती तब राकेश कमरे की सभी वस्तुओं का बहुत गहन दृष्टि से निरीक्षण करता रहता। जब बैठक में सैन्य अधिकारियों के बीच विचार-विमर्श चल रहा होता तब वह सभी अधिकारियों के चेहरे के भावों को भी पढ़ता रहता।
   (ग) लेखक के अनुसार, हमारे समाज का संगठन अजीब था, वह एक-दूसरे को जोड़ता भी था और एक-दूसरे से अलग भी करता था।
   (घ) राजेंद्र बाबू की मुखाकृति तथा वेशभूषा के समान ही वे अपने स्वभाव और रहन-सहन से भी सामान्य भारतीय कृषक का ही प्रतिनिधित्व करते थे। प्रतिभा और बुद्धि की विशिष्टता के साथ-साथ उन्हें गंभीर संवेदना भी प्राप्त हुई थी, यही वे विशेष बातें थीं जो उनके सामान्य व्यक्तित्व को गरिमा प्रदान करती थीं।
   (ङ) बूढ़ी काकी जूठे पत्तलों पर से पूड़ियों के टुकड़े उठा-उठाकर खा रही थीं। इस दृश्य ने रूपा को द्रवित कर दिया।
4. विद्यार्थी स्वयं करेंगे।
   उत्तर के लिए संकेत-बिंदु – (i) भारत में अनेकता में एकता
   (ii) चार धर्म – सभी धर्म एक समान
   (iii) धर्म-निरपेक्षता
   (iv) कोई धर्म छोटा-बड़ा या ऊँचा-नीचा नहीं।
   (v) सब लोग एक ही ईश्वर की संतान।

नमूना प्रश्न-पत्र
(पाठ 1 से 24 तक)

समयावधि : .... **पूर्णांक : 50**

1. (क) भौंरे फूलों पर गूँज रहे हैं। (ख) मंद-मंद समीर (हवा) बह रही है।
   (ग) ऋतुराज वसंत को कहा गया है।
   (घ) (i) फूल (ii) पुष्प (ङ) शीतल × गरम (ऊष्म)

2. **निर्देशानुसार कीजिए –**
   (क) (iii) (ख) (ii)
   (ग) (i) मुझे आज नहीं आना है। (ii) तुम आज आना क्यों नहीं चाहते?
   (घ) (i) दिवस (ii) गरीब (ङ) (i) पुर्नजन्म (ii) चिकित्सालय
   (च) (i) व् + इ + च् + अ + ल् + इ + त् + अ
   (ii) व् + इ + घ् + न् + अ
   (छ) (i) सु + गंध (ii) वि + नष्ट (ज) (i) खराबी (ii) होशियारी
   (झ) (i) बुरा (ii) पुराने
   (ञ) (i) वहाँ परंपरागत पोशाकें मिल जाएँगी।
   (ii) मैंने पू जियोना से मुलाकात की थी।

3. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए –**
   (क) मनुष्य जब दृढ़-निश्चय कर ले तो वह कुछ भी कर सकता है। यदि मनुष्य चाहे तो अपनी दृढ़ता के बल पर पत्थर को चीरकर उसमें से पानी निकाल सकता है। दृढ़ इच्छाशक्ति रखने वाले मनुष्य के सामने बड़े से बड़े पर्वत भी हिल जाते हैं। वह मुश्किल काम भी आसानी से कर सकता है।
   (ख) अध्यापिका ने निर्मला से भूगोल तथा इतिहास से संबंधित प्रश्न पूछे।
   (ग) रविवार के दिन अरुणा बच्चों के लिए पाठशाला लगाया करती थी।
   (घ) युवराज के अनुसार, जब एक बार मृत्यु को करीब से देखते हैं तब ज़िंदगी की असली कीमत समझ में आती है। आसान-सी लगने वाली चीज़ें भी महत्वपूर्ण बन जाती हैं।
   (ङ) मोरनी हिल्स में निर्मित कृत्रिम झीलों के नाम 'टिक्कर ताल', 'बड़ा टिक्कर' और 'छोटा टिक्कर' हैं।

4. विद्यार्थी स्वयं करेंगे।
   उत्तर के लिए संकेत-बिंदु – (i) सूचना किसकी ओर से – नाम कक्षा
   (ii) सूचना का विषय
   (iii) चंदा देने का स्थान
   (iv) चंदा देने की अंतिम तारीख